**भारत सरकार**

**रेल मंत्रालय**

**लोक सभा**

**18.12.2024 के**

**अतारांकित प्रश्न सं. 3738 का उत्तर**

**कोंकण रेल में विद्यमान पटरियों का दोहरीकरण**

**3738. श्री कोटा श्रीनिवास पूजारी:**

**क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:**

**(क) क्या सरकार का विचार कोंकण रेल में विद्यमान पटरियों का दोहरीकरण करने या कोंकण रेल द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव के अनुसार पटरी के पैच के दोहरीकरण को कार्यान्वित करने का है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;**

**(ख) क्या सरकार की योजना उडुपी/मैंगलोर और मुंबई के बीच वंदे भारत शयनयान रेलगाड़ी शुरू करने की है; और**

**(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?**

**उत्तर**

**रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री**

**(श्री अश्विनी वैष्णव)**

**(क) से (ग): कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड (केआरसीएल) में पांच शेयरधारक हैं जिनके नाम रेल मंत्रालय, महाराष्ट्र सरकार, कर्नाटक सरकार, गोवा सरकार और केरल सरकार हैं। कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड वर्ष 1990 से कंपनी अधिनियम के तहत पंजीकृत है।**

**कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड (केआरसीएल) की अवसंरचना 25 वर्ष से अधिक पुरानी हो गई है, जिसके लिए यातायात की संरक्षा सुनिश्चित करने हेतु पूंजीगत परिसंपत्तियों में प्रमुख रूप से नवीनीकरण/प्रतिस्थापन की आवश्यकता है। लाइन क्षमता को बढ़ाने के लिए, केआरसीएल लाइन का दोहरीकरण भी अपेक्षित है।**

**कोंकण रेलवे के रत्नागिरी क्षेत्र में रोहा-वीर खंड (46.89 कि.मी.) का आंशिक दोहरीकरण पहले ही पूरा हो चुका है और वर्ष 2021 में कमीशन कर दिया गया है। बहरहाल, लगभग 700 कि.मी. के शेष खंड के दोहरीकरण के लिए पर्याप्त निवेश की आवश्यकता है जिसमें सभी शेयरधारक राज्य सरकारों का अंशदान शामिल है।**

**हाल ही में, रेल मंत्रालय द्वारा बंधपत्र (बॉन्ड) को छुड़ाने और दो सुरंगों के पुनर्निर्माण के लिए निधियों की तत्काल आवश्यकता को पूरा करने के लिए राज्य सरकारों से संपर्क किया गया है ताकि उनके हिस्से के अनुपात में अंशदान करके सुरक्षित परिचालन सुनिश्चित किया जा सके। ऐसे बड़े निवेश प्रस्ताव के लिए राज्य सरकारों का वित्तीय अंशदान/सहयोग आवश्यक है।**

**वर्तमान में, मंगलुरू-उडुपी-मुंबई खंड पर 28 जोड़ी गाड़ी सेवाएं सेवित की जा रही हैं। मंगलुरू/उडुपी-मडगांव और मडगांव-मुंबई मार्ग के बीच वंदे भारत रेलगाड़ियां पहले से ही परिचालित की जा रही हैं। भारतीय रेल पर वंदे भारत के वेरिएंट सहित गाड़ी सेवाएं शुरू करना सतत् प्रक्रिया है जो परिचालनिक व्यवहार्यता, यातायात औचित्य, संसाधनों की उपलब्धता आदि के अध्यधीन है।**

*****